अटल भूजल योजना हरियाणा

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग
हरियाणा

THE WORLD BANK

Dev Rishi Educational Society, Nanda Ki Chowki, Premnagar, Dehradun, Uttarakhand

योजना के उददेश्य

- अटल भूजल योजना का प्राथमिक उद्देश्य सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से चुने हुए जल संकटग्रस्त क्षेत्रों में भूजल संसाधन प्रबंधन में सुधार करना है, जिससे पानी की समस्या के निराकरण के साथ ही लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो सके।
- केन्द्रीय एवं राज्य स्तरीय योजनाओं के साथ अभिसरण व समन्वय स्थापित कर योजना का ग्राम स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन एवं प्रबन्धन
- बड़े पैमाने पर जल उपयोग में नियंत्रण
- फसल पैटर्न में सुधार करना एवं संसाधनों के कुशल एवं न्याय–संगत उपयोग को बढ़ावा देना
- सहभागी भूजल प्रबंधन एवं सामुदायिक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देना

अटल भूजल योजना–शुरूआतः

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयो के 95वें जन्मदिन के अवसर पर 25 दिसम्बर 2019 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में अटल भूजल योजना के शुभारंभ की घोषणा की गयो।

- जिसके तहत देश के 07 राज्यों के अन्तर्गत 78 जनपदों के 193 विकासखण्डों की 8353 ग्राम पंचायतें इस योजना से लाभान्वित होंगी।

पृथ्वी में भूजल की स्थिति:

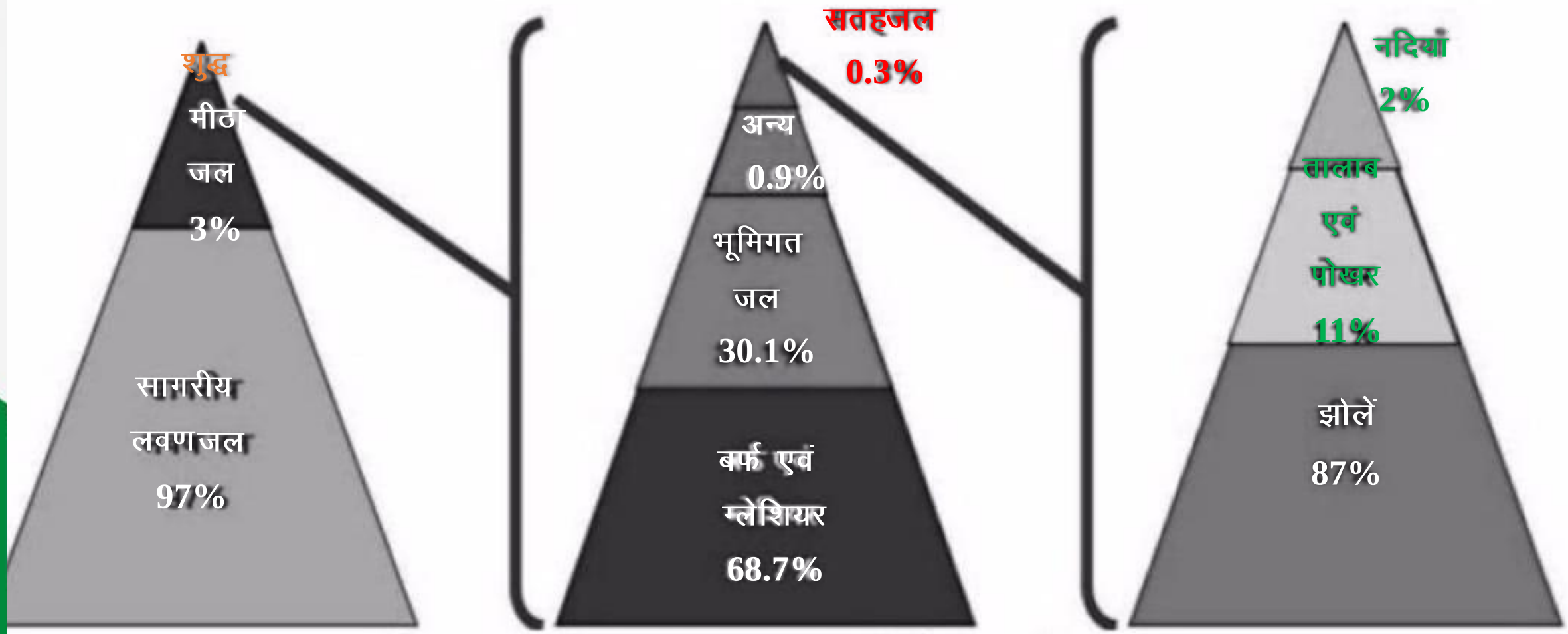

चित्र-1 पृथ्वी पर जल का भौगोलिक वितरण

देश में भूजल कुंए कम होते जा रहे हैं..!
स्थिति चिन्ताजनक है..!!

54%
of India's Ground-water Wells Are Decreasing

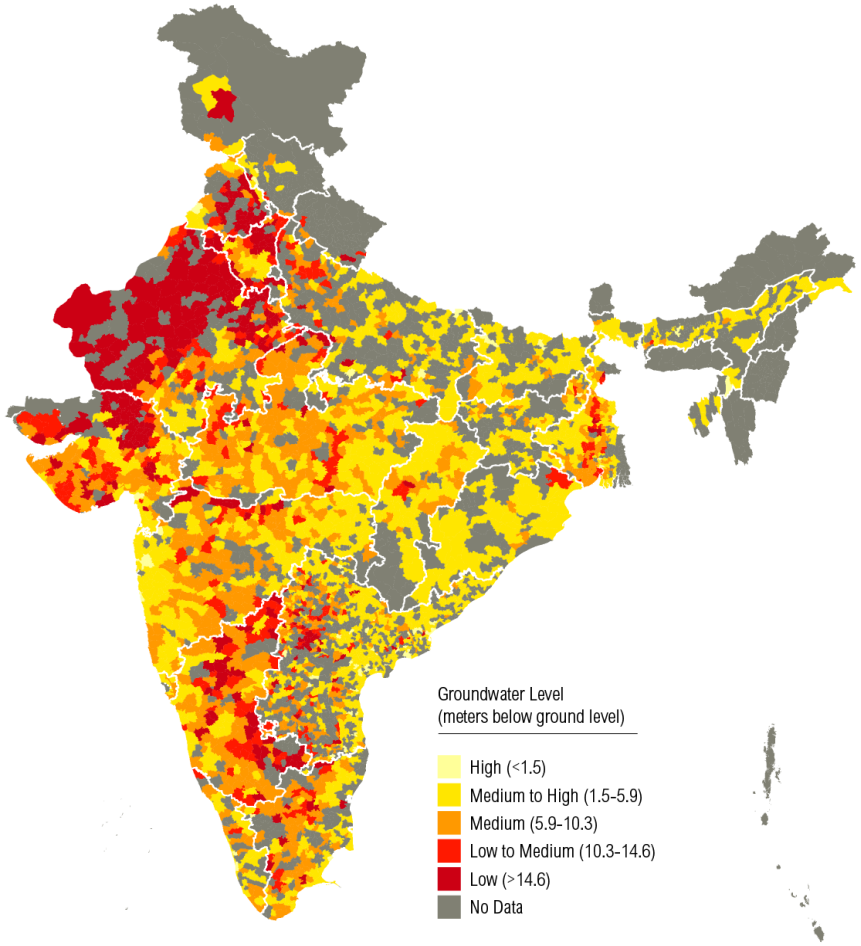

www.indiawatertool.in

WORLD RESOURCES INSTITUTE

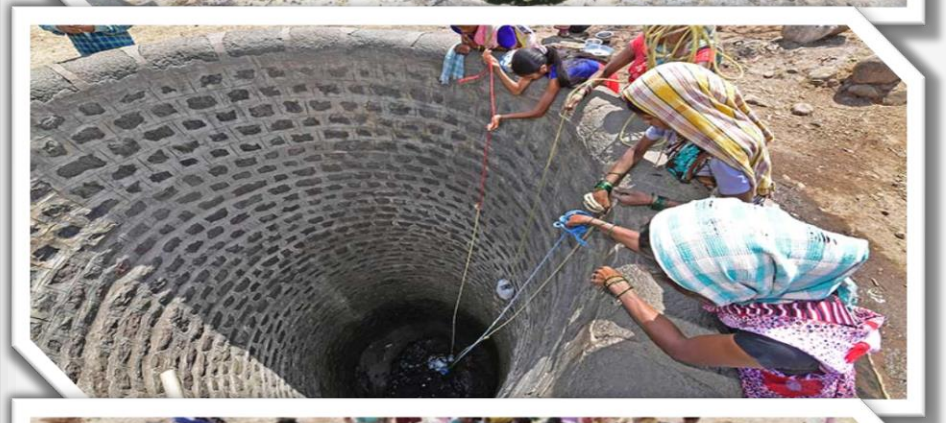

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देश में भूजल की स्थिति

एक नजर में

क्रम	जल की मात्रा प्रतिशत में	जल की स्थिति
1	97.2%	सागर एवं महासागर में
2	2.15%	ग्लेशियर में बर्फ के रुप में
3	**0.6%**	भूमिगत जल के रुप में
4	0.1%	नदियों एवं झीलों में
5	0.001%	वायुमण्डल में

हरियाणा की भूजल स्थितिः

भूजल का स्तर व गुणवत्ता पर सामूहिक चर्चा:

भूजल का स्तर		गुणवत्ता
5 से 10 वर्ष पूर्व	आगामी 10 वर्षों का अनुमान	
क्या हम जानते हैं विगत 5–10 वर्ष में हमारे गांव का भूजल स्तर कितना रहा होगा।	विगत 10 वर्ष के आंकलन के आधार पर भूजल का स्तर इसी गति से गिरता रहा तो आगामी 10 वर्षों में हरियाणा का भूजल स्तर ..... फिट से गिरकर ..... फिट नीचे पहुंच चुका होगा। यदि आज समय रहते भूजल पर निर्भरता कम नही हुई तो भविष्य में यह स्थिति और भी गम्भीर हो सकती है।	अशुद्ध पानी के उपयोग से हम अपने शरीर में कई बिमारियों का घर बनाते हैं। साथ ही खेतों में कैमिकल के उपयोग से अपने आस पास के पर्यावरण व खाद्य पदार्थों को भी दूषित कर रहे है, जिसका हम किसी न किसी रूप में उपभोग/उपयोग करते है।यदि वास्तविक स्थिति को एसे ही नजरअन्दाज करते रहे तो आने वाला समय हमारे लिय कई भयानक चुनौतियों से घिरा रहेगा। और तब हमारे पास समाधान के अवसर भी कम होंगें।

वर्ष 2022–23 में भूजल का स्तर व गुणवत्ता पर विस्तारपूर्वक चर्चा:

ग्राम पंचायत बालछप्पर का भूजल स्तर 77.23 फिट है।

पानी में खनिज तत्वों की मानक आवश्यकता	PH	EC(µs/cm)	TDS(mg/l)	Total Hardness(mg/l)	Calcium(mg/l)	Magnesium(mg/l)	Sodium(mg/l)	Potassium(mg/l)	Carbonate(mg/l)	Bicarbonate(mg/l)	Sulphate(mg/l)	Chloride(mg/l)	Fluoride(mg/l)	Nitrate(mg/l)
	6.5-8.5	750	500	200	75	30	200	40	200	200	200	250	1	45

ग्राम पंचायत बालछप्पर में पानी की मौजूदा गुणवत्ता निम्नप्रकार है

ग्राम पंचायत	PH	EC(µs/cm)	TDS(mg/l)	Total Hardness(mg/l)	Calcium(mg/l)	Magnesium(mg/l)	Sodium (mg/l)	Potassium(mg/l)	Carbonate(mg/l)	Bicarbonate(mg/l)	Sulphate (mg/l)	Chloride(mg/l)	Fluoride(mg/l)	Nitrate(mg/l)	WQI Status
बालछप्पर	7.29	1027	667	310	80	26.7	27.4	0.81	0	375.7	34	146	0.91	5.62	Poor

उक्त का अनुश्रवण करें तो ग्राम बालछप्पर का वर्तमान भूजल स्तर के साथ–साथ जल की गुणवत्ता भी न्यून है जो हमारे स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिहाज से भविष्य के लिय अत्यधिक चिन्ता का विषय है यदि हम वर्तमान में सुधार का प्रयास नही करते तो यह स्थिति भविष्य में और भी अधिक गम्भीर हो सकती है।

जल सुरक्षा योजना

मांग क्षेत्र	पूर्ती क्षेत्र
जैविक खेती को बढावा (Organic Farming)	रिचार्ज साफ्ट
ड्रिप सिंचाई (Drip Irrigation)	इंजेक्शन वेल
स्प्रिंकलर (Sprinkler)	जलागम विकास (Watershed Dovelopement)
फसल विविधिकरण (crop Diversification)	वर्षा पानी संग्रहण टेंक (Rain Water Harvesting
जीरो टिलेज के द्वारा गेहूं की खेती	फार्म पौण्ड
ब्राड बेड फुयरो विधि ड्रिप सिंचाई के साथ	पौण्ड रिजुनेवेशन
कृषि वानिकि को बढावा(Agroforestry)	
मियावाकी पद्वति से वनरोपण	
डी.एस.आर.(Direct Seeding Rice) विधि से धान की खेती	

जल सुरक्षा के उपाय हेतु आवश्यक कदम :

क्षेत्र	लाभ
	जैविक खेती न केवल भूमि की सतह के लिये उपयुक्त है, बल्कि यह जल की कम खपत के साथ ही मानव स्वास्थ्य, जीव जन्तु व पर्यावरण की दृष्टि से भी उपयुक्त व अच्छी है।
	ड्रिप सिंचाई पद्धति, सिंचाई की आधुनिकतम पद्धति है। इस पद्धति में लगभग 50 प्रतिशत पानी की बचत होती है इस पद्धति के अन्तर्गत पानी पौधों की जड़ों में बूंद-बूंद करके लगाया जाता है। इस पद्धति में जल का दोहन शून्य होता है। यह पद्धति दूर-दूर बोई जाने वाली फसलों जैसेंः- आम, पपीता अंगूर, के साथ ही गन्ना, इत्यादि में अत्यधिक फसल पायी गयी है। और भमि की सतह पर नमी बनो रहती है जिससे भूजल का स्तर बना रहता है। जिसके तहत सरकार द्वारा किसानों को अलग–अलग योजना से 100 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है।
	इस विधि से सिंचाई करने पर मृदा में नमी का उपयुक्त स्तर बना रहता है जिसके कारण फसल की उपज में वृद्धि और गुणवत्ता अच्छी रहती है। इस विधि में सिंचाई के पानी के साथ घुलनशील उर्वरकए कीटनाशी तथा जीवनाशी या खरपतवारनाशी दवाओं का भी प्रयोग आसानी से किया जा सकता है। जिसके तहत सरकार द्वारा किसानों को अलग–अलग योजना से 100 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है।

जल सुरक्षा के उपाय हेतु आवश्यक कदम :

क्षेत्र	लाभ
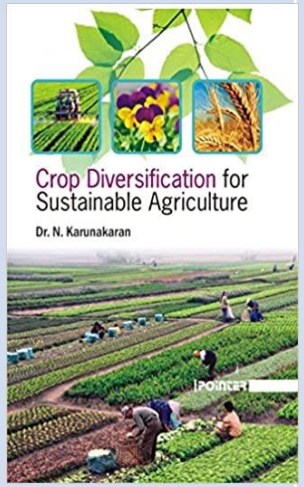	हरियाणा सरकार द्वारा फसल विविधिकरण के माध्यम से सतत कृषि को बढावा देने के लिय किसानों को कृषि विभाग के माध्यम से मेरा पानी मेरी विरासत योजना के तहत मक्का, कपास, दलहन व तिलहनी फसलों के लिय प्रति एकड रू0 7000 व उद्यान विभाग के तहत फलोद्यान विकसित करने के लिय प्रति एकड 50% (रू0 32500 से 70000 तक) अधिकतम 10 एकड क्षेत्र के लिय तीन किस्तों में अनुदान दिया जा रहा है।
	धान की सीधी बुवाई से न केवल पानी की बचत होती है, जबकि पैदावार भी औसतन अच्छी होती है। पारम्परिक विधि से धान की खेती में प्रति एकड़ रु0 15240 व डी.एस.आर पद्धति से खेती करने में रु0 11633 का व्यय होता है। जबकि जो DSR के सापेक्ष रु0 3607 अधिक है। यदि बात आय की करें तो जहां पारम्परिक विधि से प्रति एकड़ रु0 12560 व DSR पद्धति से रु0 18967 की आय होती है जो पारम्परिक विधि से रु0 6407 अधिक है साथ ही सरकार द्वारा DSR अपनाने पर रु0 4000 प्रति एकड़ किसानों को प्रोत्साहन के रूप में दी जा रही है, यदि कुल लाभ का आंकलन करें तो रू0 14014 की शुद्ध बचत है।

जल सुरक्षा / दक्षता हेतु हस्तक्षेप:

Micro irrigation-Sprinkler
सूक्ष्म सिंचाई- फव्वारा

- MICADA
- PMKSY
- MPMV

Micro irrigation –Drip
सूक्ष्म सिंचाई- टपक

- MICADA
- PMKSY
- MPMV

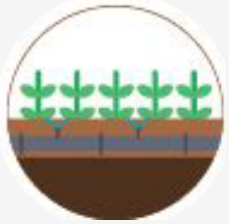

यूजीपीएल के
माध्यम से सिंचाई

- RKVY

फसल विविधीकरण

- MPMV

पानी की बचत के अन्य उपाय

- MPMV
- (DSR,ZT.BBF,RBP)

सरकार द्वारा रेखीय विभागों के माध्यम से संचालित योजनाऐं एवं अनुदानः

योजना	क्षेत्र	सेक्टर	संचालित विभाग	विभागीय अनुदान (% / रू0 में)	योजना के तहत प्रोत्साहन (% / रू0 में)
मेरा पानी मेरी विरासत MPMV	फसल विविधिकरण, DSR	राज्य सरकार	कृषि	7000 4000	-
मिकाडा MICADA	टपका, फव्वारा विधि से सिंचाई, फार्म पौण्ड	राज्य सरकार		85	15
प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना PMKSY	बागवानी व कृषि बीज	राज्य सरकार	उद्यान	15000	-
सिचाई एवं जल संशाधन विभाग	बोर वेल (इन्जेक्शन वेल)	राज्य सरकार	सिचाई एवं जल संशाधन विभाग	100	-
मनरेगा MGNREGA	तालाब, चालखाल, चैकडैम, रिचार्ज पिट/ सोखता गडढा	केन्द्र सरकार/राज्य सरकार	ग्राम्य विकास विभाग	60/40	-

भूजल प्रबन्धन हेतु चलाई जा रही अनुदान योजनाऐः

विशेष रुप से राज्य मे धान के स्थान पर फलों के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए

श्रेणी	बाग का प्रकार	लागत इकाई प्रति एकड़ (रूपयें)	अनुदान प्रति एकड़ (रूपयें)
क	सामान्य दूरी वाले बागों के लिए (6 मी0 X 7 मी0 एवं अधिक) बेर, चीकू, लीची, आंवला, आडू एवं नाशपाती आदि फलों के लिए। प्रति एकड़ लगभग 95 पौधे।	65,000/–	कुल अनुदान 32,500/– (लागत का 50%) • प्रथम वर्ष–19,500/– • द्वितीय वर्ष–6500/– • तृतीय वर्ष–6500/–
ख	सघन बागों के लिए (6 मी0 X 6 मी0 एवं इससे कम) आम, अमरुद, नींबू वर्गीय, अनार, आडू, अलूचा, नाशपाती, अंगूर, पपीता एवं ड्रैगन फ्रूट आदि फलों के लिए। प्रति एकड़ लगभग 111 एवं इससे अधिक पौधें।	1,00,000/–	कुल अनुदान 50,000/– (लागत का 50%) • प्रथम वर्ष–30,000/– • द्वितीय वर्ष–10,000/– • तृतीय वर्ष–10,000/–
ग	टिशु कल्चर खजूर (8 मी0 X 8 मी0 व इससे अधिक) प्रति एकड़ लगभग 63 पौधे।	2,00,000/–	कुल अनुदान 1,40,000/– (लागत का 50%) • प्रथम वर्ष–84,000/– • द्वितीय वर्ष–28,000/– • तृतीय वर्ष–28,000/–
घ	Trellising System/पौधा जाल प्रणाली (मुख्यतः अनार, ड्रैगन फ्रूट, अमरुद, अंगूर इत्यादि बागों के लिए)	1,40,000/–	कुल अनुदान 70,000/– (लागत का 50%) एक मुश्त अनुदान

- एक किसान अधिकतम 10 एकड़ क्षेत्र मे अनुदान प्राप्त कर सकता है।
- आवेदन हेतू hortnet.gov.in पोर्टल पर जाएं।
- अनुदान पहले आओ पहले पाओ के आधार पर ।
- मेरी फसल मेरा ब्यौरा पर पंजीकरण अनिवार्य।
- सुक्ष्म सिंचाई/ड्रिप सिंचाई प्रणाली का लाभ लेने के लिए http://micada.haryana.gov.in पर आवेदन करे।
- अधिक जानकारी के लिए संबंधित जिला उद्यान अधिकारी से सम्पर्क करें।

टोल फ्री नम्बरः 1800-180-2021

उद्यान विभाग हरियाणा

उद्यान विभाग , सैक्टर –21, पंचकूला –134112

हरियाणा सरकार
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव
धान की बजाय
फलों के बाग लगाने पर
विशेष अनुदान
• आवेदन हेतु https://hortnet.gov.in/ पोर्टल पर जाएं
• अधिकतम 10 एकड़ क्षेत्र तक अनुदान
• अनुदान पहले आओ - पहले पाओ के आधार पर
• 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पर पंजीकरण अनिवार्य
• सूक्ष्म सिंचाई/ड्रिप सिंचाई प्रणाली के लाभ हेतु http://micada.haryana.gov.in पर आवेदन करें
अधिक जानकारी के लिए
क्यू आर कोड स्कैन करें
अथवा
जिला उद्यान अधिकारी से सम्पर्क करें
अथवा
कॉल करें (टोल फ्री नंबर)
1800 180 2021
उद्यान विभाग, हरियाणा
उद्यान विभाग, सेक्टर-21, पंचकूला-134112, फोन: 0172-2582322
वेबसाइट:-www.hortharyana.gov.in | ई-मेल:-horticulture@hry.nic.in
Horticulture Mission
सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा

हरियाणा सरकार
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव
हर घर जल
जल जीवन मिशन
फसल विविधीकरण
योजना
मेरा पानी-मेरी विरासत
• सरकार द्वारा धान की फसल की जगह वैकल्पिक फसलों जैसे मक्का/कपास/खरीफ तिलहन/खरीफ दलहन/सब्जियां व फल लगाने के लिए 'मेरा पानी मेरी विरासत' का वर्ष 2022 के लिए भी शुभारंभ किया गया है।
• इस योजना के अंतर्गत राज्य के सभी जिले शामिल किए गए हैं।
• किसान अपने पिछले वर्ष बोए गए धान के क्षेत्र को वैकल्पिक फसलों जैसे मक्का/कपास/खरीफ तिलहन/खरीफ दलहन/सब्जियां व फल में बदल सकता है। जो किसान धान की जगह चारा या अपने खेत खाली भी रखते हैं, उन्हें भी इस योजना का लाभ मिलेगा।
• जिन किसानों ने पिछले वर्ष 'मेरा पानी मेरी विरासत' योजना के तहत धान की जगह वैकल्पिक फसलें लगाई थी, वे इस वर्ष भी उसी किल्ला नंबर पर पंजीकरण करके इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।
• फसल विविधिकरण करने वाले किसानों को 7000 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से वित्तीय सहायता दी जायेगी।
• किसान 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' वैब पोर्टल पर अपने आपको स्वयं, सी.एस.सी. व कृषि विभाग के माध्यम से पंजीकृत करवा सकते हैं।
हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण
जन-स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, हरियाणा
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, हरियाणा
सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in
@DiprHaryana

हरियाणा सरकार
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव
हर घर जल
जल जीवन मिशन
सूक्ष्म सिंचाई योजना
पानी बचाने के लिए उपयुक्त ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई तकनीकों का उपयोग करके कृषि क्षेत्र में जल उपयोग दक्षता बढ़ाना
सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के चार मुख्य घटक
1 जलमार्गों का पुनर्वास, नवीनीकरण और निर्माण (99% तक सब्सिडी)
2 व्यक्तिगत/सामुदायिक खेतों में तालाब और टैंकों का निर्माण (85% तक सब्सिडी)
3 सौर ऊर्जा संचालित जल पम्पिंग प्रणाली की स्थापना (75% सब्सिडी)
4 किसानों की सभी श्रेणियों हेतु ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी ऑन-फार्म सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली की स्थापना (85% सब्सिडी)
योजना का लाभ उठाने हेतु www.cadaharyana.nic.in पर लॉग इन करके तथा 'एमआई के लिए किसान ऑनलाइन आवेदन' पर क्लिक करें
हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण
जन-स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, हरियाणा
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, हरियाणा
सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in
@DiprHaryana

हरियाणा में
खुशहाल बागवानी
किसानों के लिए अनुदान का प्रावधान
श्री मनोहर लाल, मुख्यमंत्री, हरियाणा
नर्सरी की स्थापना
40 से 50 प्रतिशत
(7.50 लाख रुपये से 40 लाख रुपये तक)
नए बागों की स्थापना
50 प्रतिशत
(50 हजार रुपये प्रति एकड़ तक)
सब्जियों की खेती
40 प्रतिशत
(8000 रुपये प्रति एकड़ तक)
मशरूम उत्पादन इकाई, कम्पोस्ट मेकिंग इकाई व स्पॉन मेकिंग इकाई
40 से 50 प्रतिशत
(6 लाख रुपये से 8 लाख रुपये तक)
सामुदायिक तालाब
100 प्रतिशत
(20 लाख रुपये तक)
व्यक्तिगत तालाब
70 प्रतिशत
(7 लाख रुपये तक)
संरक्षित संरचना
65 प्रतिशत
(11.70 लाख रुपये से 32.78 लाख रुपये तक)
मधुमक्खी के बक्से व कालोनी
85 प्रतिशत
(1.87 लाख रुपये प्रति 50 बक्से एवं 50 कालोनी)
पैक हाउस/कोल्ड स्टोरेज/ग्रेडिंग इत्यादि
एकल : 35 से 50 प्रतिशत (2 लाख रुपये तक)
एफ.पी.ओ. : 70 से 90 प्रतिशत
(35 लाख रुपये से 5.40 करोड़ रुपये तक)
बागवानी उपकरण
25 प्रतिशत से 50 प्रतिशत
(300 रुपये से लेकर 1.50 लाख रुपये तक)
नोट
www.hortharyana.gov.in / www.hortnet.gov.in / www.hortharyanaschemes.in
उद्यान विभाग
उद्यान भवन, सेक्टर-21, पंचकूला, हरियाणा-134112
सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा

अटल भूजल योजना : औचित्य एवं आवश्यकता

- योजनाओं के नियोजन में ऊपर से नीचे की पद्धति का प्रयोग। फलस्वरूप, समुदाय की सहभागिता न होना

- योजनाओं के बारे में लाभार्थी समुदाय के लिए अभिमुखीकरण, क्षमता विकास तथा जागरूकता कायक्रमों की कमी

- भूजल प्रबन्धन के क्षेत्र में किय गय सफल एवं अनुकरणीय प्रयासों (Success stories and best practices) की लोगों को जानकारी नहीं

योजना के घटक

1. संस्थागत सिद्धिकरण और क्षमता निर्माण

इस घटक के अंतर्गत सभी राज्यों को स्थायो भूजल प्रंबधन करने हेतु सक्षम बनाया जायगा, जिसके लिए मजबूत डेटा बेस, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामुदायिक भागीदारी का उपयोग किया जायगा।

2. प्रोत्साहन घटक

इस घटक के अंतर्गत भूजल के स्तर को बढ़ाने के लिए केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन योजनाओं के बीच सामुदायिक भागीदारी, मांग प्रबंधन और अभिसरण पर जोर दिया जायेगा।

भूजल प्रबन्धन में किसानों की भूमिका:

- केन्द्रीय भूजल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा के 141 विकास खण्डों में से 85 विकास खण्ड भूजल स्तर के लिहाज से लाल श्रेणी में आ चुके हैं। वर्ष 2004 में यह संख्या 55 थी। प्रतिशत क्षेत्रों में भूजल स्तर में गिरावट आई है।

- भूजल को बढाने के लिये अब किसानों को फसल विविधिकरण की प्रकिया को अपनाने की आवश्यकता है। जिसमें पानी की अधिक खपत वाली फसलों जैसे (धान, गन्ला व गेंहू इत्यादि) के स्थान पर कम पानी की खपत वाली फसलों जैसे (दलहन एवं सब्जी आदि)के उत्पादन को बढावा देने के साथ–साथ आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग (जैविक खेती को बढावा ड्रिप सिंचाई **(Drip Irrigation)** स्प्रिंकलर **(Sprinkler)** फसल विविधिकरण जीरो टिलेज के द्वारा गेहूं की खेती ब्राड बेड फुयरो विधि ड्रिप सिंचाई के साथ कृषि वानिकि को बढावा**(Agroforestry)** मियावाकी पद्वति से वनरोपण डी.एस.आर.**(Direct Seeding Rice)** विधि से धान की खेती

भूजल प्रबन्धन में महिलाओं की सहभागिताः

- महिलाएँ जल की प्रमुख उपयोग कर्ता होती है। वे खाना पकाने से लेकर बर्तन व कपड़े धोने, परिवार की अन्य अन्य स्वच्छता सफाई के लिए जल का प्रयोग करती हैं। जल प्रबन्धन में महिलाओं की एक महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। अतः आज के वर्तमान समय में विश्व, राष्ट, राज्य व गांव स्तर पर भी महिलाएं भूरा जल प्रबन्धन के साथ–साथ आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग कर जल संरक्षण में एक सकिय भूमिका निभा रही है।

जल बजट व जल सुरक्षा योजना पर चर्चाः

- जल बजट क्या हैः जल बजट वह बजट है जिसे VWSC के सदस्य व ग्राम वासियों द्वारा अपनी मूलभूत आवश्यकताओं समस्याओं का प्राथमिकीकरण कर बजट का आंकलन किया जाता है। जिसके बाद बजट को अनुमोदित किया जाता है।

- जल सुरक्षा योजनाः VWSC के सदस्य व ग्राम वासियों द्वारा चयनित समस्याओं के निस्तारण हेतु प्राथमिकता के आधार पर जल सुरक्षा योजना में शामिल किया जाता है। और समय समय पर बैठकें आयोजित कर योजना में आवश्यकतानुसार संशोधन कर सकते है। जैसे अटल भजल के तहत हम निम्न गतिविधियों को अपनी योजना में शामिल करते हैं।

ड्रिप सिंचाई (Drip Irrigation) स्प्रिंकलर **(Sprinkler)** रिचार्ज साफ्ट, इंजेक्शन वेल, जलागम विकास **(Watershed Dovelopement)** वर्षा पानी संग्रहण टेंक **(Rain Water Harvesting** व फार्म पौण्ड आदि को शामिल किया जा सकता है।

नोटः यदि ग्राम स्तर पर जल सुरक्षा योजना में कोई गतिविधि जोड़नी है तो प्रशिक्षण के दौरान वह अपने सुझाव व प्रस्ताव प्रशिक्षण के माध्यम से VWSC को दे सकते हैं।

सामुदायिक सहभागिता का नेतृत्वः

ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समिति VWSC द्वारा गांव व ग्राम स्तर पर समय समय बैठकों का आयोजन कर सरकार द्वारा विभागीय के माध्यम से संचालित योजनाओं की समुदाय को जानकारी उपलब्ध कराना व योजनाओं से ग्राम वासियों को लाभान्वित करना।

- जल सुरक्षा योजना निर्माण व योजना के कियान्वयन में समुदाय को जागरूक कर अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करना।
- योजनाओं के नियोजन में नीचे से ऊपर सकी पद्धति का प्रयोग। समुदाय की सहभागिता।
- योजनाओं के बारे में लाभार्थी समुदाय के लिए अभिमुखीकरण, क्षमता विकास तथा जागरूकता कायक्रमों का आयोजन।
- भूजल प्रबन्धन के क्षेत्र में किय गय सफल एवं अनुकरणीय प्रयासों (Success stories and best practices) की लोगों को जानकारी उपलब्ध कराना।

भूजल प्रबन्धन में VWSC की भूमिका:

- भूजल प्रबंधन के मुददों पर समुदाय को जागरुक व संगठित करना।
- वर्षिक जल बजट अभ्यास आयोजित करना।
- भूजल प्रबंधन हेतु ग्राम स्तरीय गतिविधियों को चिन्हित करना।
- DIPs के साथ मिलकर गांव की जल सुरक्षा योजना तैयार करना।
- ग्राम स्तरीय जागरुकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय प्रतिभाग व समन्वय स्थापित करना।
- ग्राम स्तर पर जल सम्बन्धी जानकारी एकत्र करना और उपलब्ध कराना।
- ग्राम जल सुरक्षा योजना में प्रस्तावित गतिविधियों के क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाना।
- सभी समूहों , विशेष रुप से महिलाओं एवं कमजोर वर्ग की योजना कार्यक्रमों में सहभागिता सुनिश्चित करवाना।
- मांग आधारित योजना गतिविधियों हेतु लाभार्थियों के चिन्हीकरण में जिला/राज्य स्तरीय कार्यदायी विभागों के साथ समन्वय।

व्यवहार परिवर्तन पर सामुदायिक चर्चा:

परिवर्तन समाज का मौलिक तत्व है। सभी समाजो मे परिवर्तन निश्चय ही होता है। यह तो सम्भव है कि प्रत्येक समाज मे परिवर्तन की मात्रा भिन्न हो, परन्तु सामाजिक परिवर्तन के न होने कि कोई सम्भावना नही होती है। समाज निरन्तर परिवर्तनशील रहा है।

प्राकृतिक कारक इन्हें भौगोलिक कारक भी कहते है। मानव ने प्रकृति को अपने वश मे करने का प्रयास किया है, पर प्रकृति पर वह पूर्ण विजय प्राप्त नही कर सका है। प्रकृति अपने विनाशकारी रूप मे परिवर्तन लाती है। यह रूप भूकम्प, अकाल, बाढ़, महामारी आदि के समय दिखता है। प्राकृतिक अवस्था ही मानव सभ्यता के विकास और विनाश का कारण बनती है। जहां प्रकृति शान्त होती है वहां विज्ञान का विकास होता है तथा जहाँ प्रकृति रौद्र स्वरूप दिखाती है वहां धर्म का प्रभाव ज्यादा होता है।

- इसी परिवर्तन का स्थानीय उदाहरण है जनपद यमुनानगर के विकास खण्ड रादौर के ग्राम झ़गड़ी में किसान श्री ..... को अटल भूजल के कर्मचारियों ने सरकार द्वारा विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। जिससे प्रेरित होकर श्री ..... द्वारा मिकाडा व अटल भूजल के सहयोग से 22 एकड भूमि पर टपका व फव्वारा सिचाई विधि से गन्ने की खेती की जा रही है, जिसमें श्री ..... द्वारा बताया गया कि सीधे टूबवेल के सापेक्ष टपका विधि से लगभग 50 प्रतिशत पानी की बचत के साथ ही पैदावार में भी वृद्धि हुई है।
- अन्य उदाहरण भी सत्र में शमिल किय जा सकते है।

झ़गड़ी गांव में टपका सिंचाई सिसटम

अटल भूजल योजना : औचित्य एवं आवश्यकता

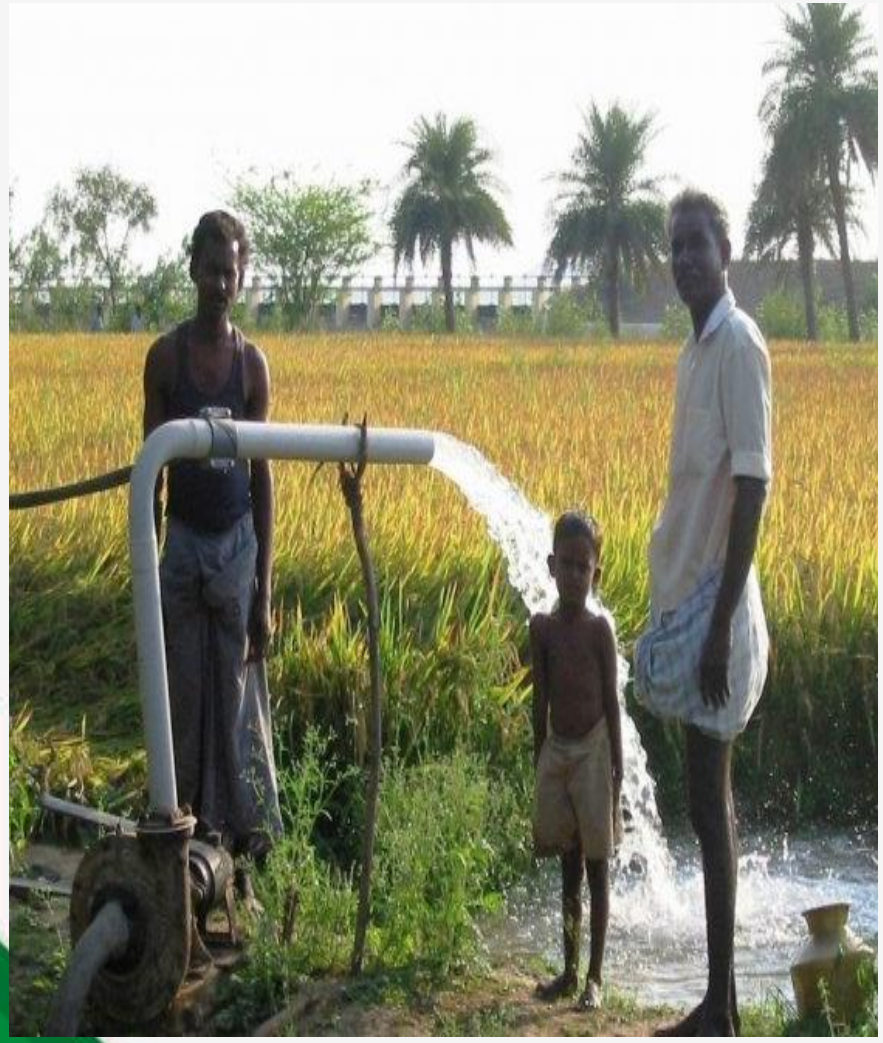

- निरन्तर बढ़ती हुई आबादी, शहरीकरण, तथा औद्योगीकरण की जलापूर्ति की मांग की आपूर्ति व कृषि क्षेत्र में भूमिगत जल का अत्यधिक उपयोग
- प्रत्यक क्षेत्र में भूजल का अत्यधिक व अनावश्यक उपयोग
- विभिन्न योजनाओं तथा कायक्रमों में भूजल प्रबन्धन को एक महत्वपूर्ण उद्देश्य अथवा घटक के रूप में स्थान नहीं दिया गया है
- योजनाओं तथा कायक्रमों का निर्माण में मांग के बजाय आपूर्ति पर आधारित प्रक्रिया

THE WORLD BANK
अटल भूजल योजना
सहभागी भूजल प्रबंधन
ATAL BHUJAL YOJANA
म्हारा पाणी म्हारी विरासत
भूजल प्रबंधन में VWSC की भूमिका
• भूजल प्रबंधन के मुद्दों पर समुदाय को जागरूक और संगठित करना
• वार्षिक जल बजट अभ्यास आयोजित करना
• भूजल प्रबंधन के लिए ग्राम स्तरीय गतिविधियों को चिंहित करना
• DIPs के साथ मिलकर गांव की जल सुरक्षा योजना तैयार करना
• ग्राम स्तरीय जागरूकता एवं प्रशिक्षण गतिविधियों का समन्वय करना
• ग्राम स्तर पर जल संबंधी जानकारी एकत्र करना और उपलब्ध कराना
• ग्राम जल सुरक्षा योजना में प्रस्तावित गतिविधियों के क्रियान्वयन में समन्वय
आज भूजल बचाएंगे - आने वाला कल बचाएंगे
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा
निवेदक
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग
हरियाणा सरकार

THE WORLD BANK
अटल भूजल योजना
सहभागी भूजल प्रबंधन
ATAL BHUJAL YOJANA
म्हारा पाणी म्हारी विरासत
ग्राम स्तर पर कैसे काम करेगी अटल भुजल योजना
• VWSC और DIP मिलकर भूजल संरक्षण को लेकर जागरुकता पैदा करेंगे
• भूजल प्रबंधन के बारे में ग्राम स्तर पर विभिन्न हितधारकों को प्रशिक्षित किया जाएगा
• गांव में जल की स्थिति को समझने के लिए विभिन्न बैठकें आयोजित की जाएंगी
• ग्रामीणों के परामर्श से गांव की जल सुरक्षा योजना तैयार की जाएगी
• ग्राम सभा की मंजूरी के बाद ही गांव की जल सुरक्षा योजना मान्य होगी
• विभिन्न सरकारी विभाग गांव की जल सुरक्षा योजना में बताए गए कार्यों लागू करेंगे
• गांव की जल सुरक्षा योजना को हर साल संशोधित किया जाएगा
• गांव की जल सुरक्षा योजना में ग्राम सभा का निर्णय सर्वोपरि होगा और सभी संबंधित प्राधिकारियों पर मान्य होगा
आज भूजल बचाएंगे - आने वाला कल बचाएंगे
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा
निवेदक
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग
हरियाणा सरकार

THE WORLD BANK
अटल भूजल योजना
सहभागी भूजल प्रबंधन
ATAL BHUJAL YOJANA
म्हारा पाणी म्हारी विरासत
शपथ पत्र
हम सभी बच्चे ये शपथ लेते है कि
हमारे गांव में भूजल को बचाने के लिए
हम सब मिलकर पानी का सदुपयोग करेंगे
पानी की एक बूंद को भी बर्बाद नहीं करेंगे
पानी का नल कभी भी खुला नहीं छोड़ेंगे
बारिश के पानी को बचाएंगे
हर साल नए पेड़ लगाएंगे और उनकी रखवाली करेंगे
गांव के जोहड़ को गन्दा नहीं करेंगे
हम अपने साथ साथ
हमारे परिवार और दोस्तों को भी भूजल बचाने के लिए जागरूक करेंगे
आज भूजल बचाएंगे - आने वाला कल बचाएंगे
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा
निवेदक
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग
हरियाणा सरकार

भारतीय सन्दर्भ में भूजल उपयोग

01

भारत की लगभग 85: प्रतिशत ग्रामीण एवं 50: शहरी आबादी पेयजल सहित पानी की विभिन्न आवश्यकताओं के लिए भूजल का उपयोग करती है। विश्व में भूजल का सबसे प्रमुख उपभोक्ता

02

खाद्य एवं कृषि उत्पादन में भूजल की महत्वपूर्ण भूमिका। वर्तमान में औसतन 65: सिंचाई का काय भूमिगत जल से

03

भूजल के अत्यधिक व अनियमित निष्कर्षण के परिणामस्वरूप देश के कई राज्यों में भूजल के स्तर में बहुत तेजी से गिरावट आ रही है और भूजल समाप्ति की कगार पर पहुँच चुका है

04

केन्द्रीय भूजल बोर्ड तथा राज्य भूजल संगठनों ने भूजल विकास की दिशा में उठाय गय कदमों में से अटल भूजल योजना भी एक कदम

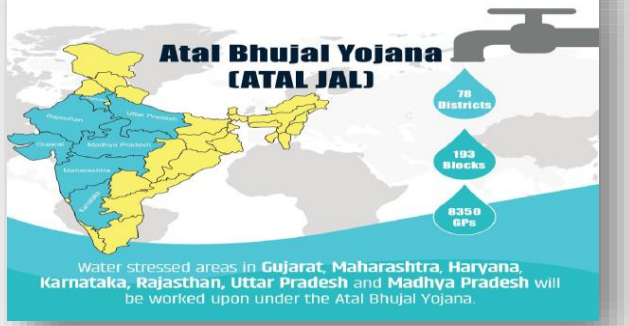

जल मापक उपकरण:

रेन गेज—वर्षा मापक यंत्र

फ्लो मीटर—पाईप या नाली में माध्यम से चलने वाली गैस, वाष्प या तरल की मात्रा को इंगित करने,

पीजो मीटर—भूमिगत जल के दबाब को मापने हेतु

वाटर टेस्टिंग किट—जल गुणवत्ता जांचने हेतु

वाटर लेवल इंडिकेटर—पानी की गहराई नापने हेतु

Thank you!

ATAL BHUJAL YOJANA